http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 141

प्रयागराज गुरुवार 06 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

संक्षिप्त

मुर्मु और धनखड़ सहित कई नेताओं ने किया मतदान

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए बुधवार सुबह सात बजे से मतदान जारी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विदेश मंत्री एस जयशंकर, उपराज्यपाल वीके सक्सेना, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना सहित कई नेताओं एवं अधिकारियों ने विभिन्न मतदान केन्द्रों पर मतदान किया। पूर्वाह्न 11 बजे तक औसतन 19.95 प्रतिशत मतदान हो चुका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नयी दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में वोट डाला। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पहली बार मतदान किया है। श्री धनखड़, पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ मतदान करने के लिए नॉर्थ एवेन्यू में सीपीडब्ल्यूडी सर्विस सेंटर में कतार में नजर आये और इस दौरान उन्होंने कतार में खड़े लोगों से बातचीत की।विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर ने एनडीएमसी स्कूल ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज, तुगलक क्रिसेंट में स्थापित मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मतदान करने के बाद कहा, "मैंने दिल्ली के लोगों से बड़ी संख्या में वोट करने की अपील की है। मैं चाहता हूं कि दिल्ली के लोग वोटिंग में रिकॉर्ड बनाएं...।" लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपना वोट डालने के लिए निर्माण भवन स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचे और उन्होंने मतदान किया।

चीता परियोजना ने पकड़ी रफ्तार, किए जाएंगे नए प्रयोगः यादव

भोपाल,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दो नए चीता शावकों के जन्म की खबर सामने आने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि राज्य में चीता परियोजना धीरे धीरे आगे बढ़ रही है और सरकार ऐसे और प्रयोग करने जा रही है। डॉ यादव ने अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में शुरू किया गया चीता प्रोजेक्ट धीरे–धीरे आगे बढ़ रहा है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दो नए मेहमान आए हैं। चीता न केवल हमारे वनों की, बल्कि पूरे एशिया की शान हैं और हम ऐसे और भी प्रयोग करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज चीतों के एक नए समूह को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बाड़े से खुले जंगल में छोड़ने वाले हैं। वे दोपहर को कूनो पहुंच कर इस अभियान को अंजाम देंगे। इसके पहले कल ही कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता वीरा के दो शावकों को जन्म देने की खबर सामने आई थी।

पुणे में 25 वाहनों में तोड़फोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

मुम्बई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे शहर में बुधवार तड़के तीन बाइक सवार आरोपियों ने सड़क किनारे खड़े 25 वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने बिना किसी कारण के बिबवेवाडी इलाके में वाहनों को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुणे पुलिस के पुलिस उपायुक्त (जोन 5) राजकुमार शिंदे ने कहा, बुधवार देर रात 1रू40 बजे तीन बदमाशों ने बाइक पर आकर सड़क किनारे खड़े ऑटो–रिक्शा, कार और दोपहिया वाहन समेत 25 वाहनोंको नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि वारदात के बाद आरोपी वेल्हे तहसील की ओर भाग गए, लेकिन कुछ घंटों के भीतर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। मामले की जांच जारी है।

न्यायालय परिसर में पुलिस कर्मी का शव मिला, जांच जारी

कोलकाता,(एजेंसी)। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, गोपाल नाथ (30) का शव सुबह करीब 7 बजे शहरी कुटुंब न्यायालय परिसर के भूतल की सीढ़ियों के पास एक कुर्सी पर मिला। उनके माथे पर गोली लगने का निशान था। कोलकाता के डलहौजी इलाके में बुधवार सुबह कुटुंब न्यायालय परिसर में एक पुलिस कर्मी का शव मिला जिस पर गोली से बने घाव के निशान थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले में आत्महत्या और हत्या समेत सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, गोपाल नाथ (30) का शव सुबह करीब 7 बजे शहरी कुटुंब न्यायालय परिसर के भूतल की सीढ़ियों के पास एक कुर्सी पर मिला। उनके माथे पर गोली लगने का निशान था। अधिकारी ने बताया, संभावना है कि उन्होंने अपनी नौ एमएम सरकारी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली होगी, जो उनके शव के पास पड़ी मिली थी। हमने जांच शुरू कर दी है और सभी संभावित कोणों से इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि कथित तौर पर पुलिस कर्मी पिछले कुछ समय से अवसाद से पीड़ित था। उन्होंने आगे कहा, सीसीटीवी फुटेज मंगाई गई है और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जासूसी विभाग के कर्मचारी और फोरेंसिक टीमें घटना की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने हारे स्ट्रीट पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भक्ति की भावना से भर गया

● संगम में पवित्र स्नान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट

महाकुंभनगर,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर तीर्थराज प्रयाग में त्रिवेटी के तट पर बुधवार को महाकुंभ में "अमृत स्नान" किया। श्री मोदी ने तीर्थराज प्रयागराज में विश्व कल्याण की मंगल कामना के लिए गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में माघ मास की शुक्लपक्ष की महत्वपूर्ण अष्टमी के अवसर पर आस्था की डुबकी लगाई। प्रधानमंत्री राष्ट्र निर्माण के साधक के रूप में स्नान के बाद विश्व कल्याण के लिए विधि विधान से पूजन अर्चन कर गंगा मां से निवेदन किया। मंत्रोच्चार के बीच श्री मोदी ने आस्था की डुबकी लगाने के साथ हाथ में गंगाजल लेकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और राष्ट्र मंगल की कामना की। उनके हाथ में रूद्राक्ष की माला थी जिसको वह लगातार फेर रहे थे। श्री मोदी ने हाथ जोड़ कर चारों दिशाओं को प्रणाम किया। श्री मोदी ने स्नान के समय लाल रंग का अपर तथा नीले रंग का लोअर धारण किया था और गले में नीले रंग का स्कार्फ था। संगम स्नान के बाद जेटी पर पुरोहितों ने विधि विधान से श्री मोदी से मां गंगा का पूजन कराया। पुरोहितों ने श्री मोदी के हाथ में कलश प्रदान करने के बाद उनके मस्तक पर चंदन लगाया। श्री मोदी ने गंगा मां को आरती उतारी, पुष्प और दुग्ध, वस्त्र अर्पित किया। स्नान से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जेटी पर बैठकर संगम का भ्रमण किया। श्री योगी उन्हें अपने हाथों से इशारा करते हुए कुछ बता रहे थे। श्री मोदी संगम तट पर खड़े लाखों श्रद्धालुओं को हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। श्रद्धालु 'मोदी जिंदाबाद, जय श्रीराम' के नारे लगा रहे थे। प्रधानमंत्री इससे पहले 2019 में 24 फरवरी को कुंभ के मौके पर यहां आये थे और स्नान ध्यान के बाद उन्होने सफाई कर्मियों के पांव पखारे थे। श्री मोदी पिछले साल 13 दिसंबर को प्रयागराज आये थे और 5500 करोड़ रुपये की 167 विकास परियोजनाओ का उदघाटन किया था। महाकुंभ का महत्व और राजनीतिक संदर्भ महाकुंभ 2025 दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जो दुनिया भर से भक्तों को आकर्षित करता है। यह महाकुंभ 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से शुरू हुआ था और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। इस महाकुंभ में अब तक 38 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री आ चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की संगम में डुबकी को राजनीतिक दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है। यह भाजपा के हिंदुत्व और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे को मजबूत कर सकता है, जो पार्टी के समर्थकों को जोड़ने का काम करेगा। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल की महाकुंभ में अनुपस्थिति पर भी चर्चा हो रही है। भाजपा का महाकुंभ के साथ जुड़ाव महाकुंभ भाजपा के लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस, सपा और राजद जैसे दल भाजपा से अनुसूचित जाति और ओबीसी वोट खींचने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा इस आयोजन के जरिए हिंदू समाज में एकता और सांस्कृतिक एकजुटता का संदेश देना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी महाकुंभ में डुबकी लगाई और कैबिनेट की बैठक आयोजित की। इस आयोजन में कई भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक भी शामिल हुए। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी महाकुंभ में पुण्य स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ को एकता के महाकुंभ के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, जो न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा के लिए एक ताकतवर मंच बन चुका है।

राहुल गांधी बोले– पीएम मोदी ने विधायकों और सांसदों की शक्तियां छीन लीं, निर्णय लेने की शक्ति तक नहीं

● पहले विधायक शकील अहमद खान के घर पर पहुंचेः राहुल गांधी

पटना,(एजेंसी)। स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राहुल गांधी को आमंत्रण दिया गया था। इधर, कार्यक्रम के दौरान फिर से बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के विरोध की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस के वरीय नेता और सांसद राहुल गांधी एकदिवसीय यात्रा पर पटना आ रहे हैं। 19 दिन के अंदर यह दूसरा मौका है, जब राहुल गांधी पटना पहुंचे हैं। वह स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत की सत्ता संरचना में, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, कॉर्पोरेट, व्यवसाय, न्यायपालिका हो, आपकी भागीदारी कितनी है? दलितों को प्रतिनिधित्व दिया गया है, लेकिन अगर सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं है तो इसका कोई मतलब नहीं है। यदि निर्णय मंच के पीछे से किए जाते हैं तो आपको मंच पर बैठाने का कोई

मतलब नहीं है। आज, विभिन्न जातियों के लोगों को टिकट देना एक फैशन बन गया है, पीएम मोदी भी यही कहते हैं। लेकिन फिर, आपने (पीएम मोदी) विधायकों की शक्तियां छीन लीं। यहां तक कि लोकसभा सांसदों की भी शक्तियां छीन ली गईं।ृ कोई निर्णय लेने की शक्ति नहीं है।

अमेरिका में भारतीय नागरिकों को प्रताड़ित करने का विरोध करे सरकारः कांग्रेस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका में भारतीय नागरिकों को हथकड़ी पहनाकर प्रताड़ित और निर्वासित करने की घटना अत्यंत दुखद है और भारत सरकार को इस घटना पर कड़ा ऐतराज व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि पहले भी भारतीय नागरिकों को प्रताड़ित करने की घटना हुई थी, जिसका कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने कड़ा जवाब अमेरिका को दिया था और उसके राजदूतों को मिलने वाली सुविधाएं तक बंद कर दी थी। इस बार भी भारत सरकार को उसी तरह का सख्त रूख अपना कर अमेरिका को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, "अमेरिका से भारतीयों को हथकड़ी लगाकर और अपमानित करके निर्वासित किए जाने की तस्वीरें देखकर, एक भारतीय होने के नाते मुझे दुख होता है।

योगी आदित्यनाथ ने जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम भद्राचार्य जी से भेंट की

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में सेक्टर 6 स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम भद्राचार्य जी के शिविर में पहुंचकर उनसे भेंट की। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महाकुम्भ के विराट स्वरूप को संपूर्ण विश्व के लिए आस्था और सनातन धर्म का एक अद्वितीय प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग सनातन धर्म के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं। सनातन धर्म को लाखों संतों का सानिध्य प्राप्त है, उसे कोई मारीच और सुबाहु बाल भी बांका नहीं कर सकता। उन्होंने शिविर में चल रहे 151 कुंडी अखंड भारत संकल्प महा यज्ञ में आहुति भी डाली। सीएम योगी ने कहा कि इस महाकुम्भ में अब तक 38 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान से आरंभ यह आयोजन 22 दिनों में दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए सनातन धर्म की महिमा का भव्य दर्शन प्रस्तुत कर चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें सनातन धर्म का यह विराट स्वरूप अच्छा नहीं लग रहा है। उन्होंने कहा, ष्यह वही लोग हैं, जो राम जन्मभूमि का विरोध करते रहे और कुम्भ जैसे आयोजनों पर भी सवाल उठाते रहे। ये वही लोग हैं, जो कोरोना महामारी के दौरान टेस्ट, ट्रीटमेंट और वैक्सीनेशन का भी विरोध कर रहे थे।ृ मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के भव्य प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए कहा कि इस आयोजन ने पूरी दुनिया को सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ

और राम मंदिर का निर्माण सनातन संस्कृति की शक्ति का प्रतीक हैं। सीएम योगी ने कहा, ष्सनातन धर्म सुरक्षित है तो भारत सुरक्षित है और भारत सुरक्षित है तो मानवता सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के पूज्य संतों और आचार्यों की परंपरा पर संदेह करने का कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह आयोजन 26 फरवरी, महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। अब तक तीन अमृत स्नान संपन्न हो चुके हैं, जिसमें सभी अखाड़ों और ६ार्माचार्यों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को बदनाम करने की कोशिश करने वालों को सनातन ६ार्मावलंबी कभी माफ नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म विरोधी झूठे आंकड़े प्रस्तुत कर संसद तक को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्संसदीय लोकतंत्र में संसद सर्वोच्च होती है, उसे गुमराह करने का प्रयास कदापि स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्मावलंबियों से अपील की कि वे सनातन संस्कृति के खिलाफ रचे जा रहे षड्यंत्रों से सतर्क रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि असहमति हो सकती है, लेकिन संदेह का कोई स्थान नहीं है। कार्यक्रम में राम भद्राचार्य ने सीएम को आश्वासन दिया कि महाकुम्भ का यह आयोजन सनातन का इतिहास बनेगा। उन्होंने सीएम को चित्रकूट आने के लिए आमंत्रित भी किया। कार्यक्रम में जगद्गुरु विष्णु स्वामी संतोषचार्य सतुआ बाबा भी मौजूद थे।

भारत सरकार ने सभी एआई एप पर लगाया प्रतिबंध

● सरकारी कर्मचारी भूलकर न भी करें इस्तेमाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आदेश में कहा गया है कि सरकारी कंप्यूटरों पर एआई–सक्षम एप्लिकेशन का उपयोग गोपनीय सरकारी जानकारी को खतरे में डाल सकता है। यह आदेश वित्त सचिव की मंजूरी के बाद जारी किया गया है और इसे राजस्व, आर्थिक मामलों, व्यय, सार्वजनिक उपक्रम, DIPAM और वित्तीय सेवाओं सहित प्रमुख सरकारी विभागों को भेजा गया है। भारतीय वित्त मंत्रालय ने ChatGPT और DeepSeek जैसे एआई टूल्स और एप्लिकेशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश जारी किया है। 29 जनवरी 2025 को जारी इस सर्कुलर का उद्देश्य संवेदनशील सरकारी डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करना और संभावित साइबर खतरों को रोकना है। सरकारी डेटा की सुरक्षा के लिए कड़ा कदम संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षरित इस आदेश में कहा गया है कि सरकारी कंप्यूटरों पर एआई–सक्षम एप्लिकेशन का उपयोग गोपनीय सरकारी जानकारी को खतरे में डाल सकता है।

लाइक और फॉलोअर्स के पीछे छिपे खतरे

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध ा लगाने वाला बिल संसद में पेश किया। रोलैंड ने कहा इसका उद्देश्य युवाओं को सुरक्षा देना है ना कि उन्हें दंडित या अलग–अलग करना। गौरतलब है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म सेवा जांच के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता आयोग की अंतरिम रिपोर्ट में किडफ्लुएंसर्स से संबंधित प्रमुख मुद्दों को स्वीकार किया गया था, जिसमें गोपनीयता संबंधी चिंताएं और संभावित श्रम शोषण के मुद्दे शामिल थे। वर्ष 2020 में फ्रांस ने बाल कलाकारों को फ्रांसीसी श्रम संहिता में सम्मिलित कर उनकी रक्षा के लिए कानून पारित किया। इस कानून के तहत, माता–पिता को अपने बच्चों को उनके श्रम से जुड़ी ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल करने से पहले सरकारी अनुमति की आवश्यकता होगी।

भारतीय बाल श्रम निषेध कानून में 2016 का संशोधन बच्चे को विज्ञापन, फिल्म, टेलीविजन धारावाहिक या अन्य मनोरंजन या खेल गतिविधियों सहित ऑडियो–विजुअल मनोरंजन उद्योग में एक कलाकार के रूप में काम करने की अनुमति देता है, ऐसी शर्तों और सुरक्षा उपायों के अधीन, जिससे यह निर्धारित किया जा सके कि इस खंड के तहत ऐसा कोई भी काम बच्चे की स्कूली शिक्षा को प्रभावित नहीं करेगा। बाल श्रम कानून के निषेध की धारा से बाहर यक्ष प्रश्न यह है कि क्या किडफ्लुएंसर्स सुरक्षित हैं? हाल ही में अभिनव अरोड़ा का मामला चर्चा का विषय बनकर उभरा जब अभिनव की मां ने सोशल मीडिया पर अभिनव को निरंतर ट्रोल किए जाने तथा जान से मारने की धमकी दी जाने की शिकायत करते हुए न्यायालय की शरण ली। अभिनव ने बाल संत के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी एक पहचान बनाई है। अभिनव ने दावा किया कि वह और उसकी बहन यूट्यूब ट्रोलर्स की वजह से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। पत्रकार जेनिफर वैलेंटिनो–डेविरी और माइकल एच. केलर का शोध 'ए मार्केटप्लेस ऑफ गर्ल इन्फ्लुएंसर्स मैनेज्ड बाय मॉम्स एंड स्टाल्क्ड बाय मेन' उस प्रवृत्ति को उजागर करता है कि जैसे–जैसे छोटी बच्चियों के अकाउंट्स के फॉलोअर्स बढ़ते हैं, वैसे–वैसे उनमें पुरुषों का अनुपात भी बढ़ता जाता है, जिनमें से कई बार आपत्तिजनक सामग्री के लिए माताओं और बेटियों को आरंभ में निवेदन किया जाता है और उनकी बात ना मानने पर धमकाया या ब्लैकमेल किया जाता है। बाल सुरक्षा के लिए कार्यरत संस्था थॉर्न का शोध बताता है कि किस प्रकार किडफ्लूएंसर संस्कृति संभावित बाल शोषण तथा अन्य समस्याओं के लिए द्वार खोलती है। लाइक, फॉलोअर, शेयर और व्यू की संख्या एक इन्फ्लुएंसर की सफलता निर्धारित करती है जो इस पीढ़ी पर भारी पड़ सकती है। इसके अलावा, वे इसका इस्तेमाल अपने आत्म–मूल्य को मापने के लिए करते हैं।

युवा इन्फ्लुएंसर अक्सर बाहरी ध्यान और उन्हें देखे जाने के बारे में सोचते रहते हैं। स्वयं को प्रभावी दिखाने की छवि मन मस्तिष्क में इस तरह जगह बना लेती है कि बाहरी दुनिया से प्राप्त प्रशंसा में थोड़ी भी कमी उन्हें अवसादग्रस्त बना देती है। मौजूदा टिक टॉक स्टार, चार्ली और डिक्सी डी'मेलियो ने ऑनलाइन आलोचना और ट्रोलिंग के कारण मानसिक स्वास्थ्य के साथ अपने संघर्ष के बारे में अपने दर्शकों के सामने खुलकर बात की है। अपने हुलु रियलिटी शो 'द डी'मेलियो शो' में उसने यह कहा कि नकारात्मक टिप्पणियां और हर दिन यह जांचना कि मेरे बारे में कौन बात कर रहा है, मेरी चिंता का एक बड़ा हिस्सा है।' यह निर्विवाद है कि जब किसी सार्वजनिक मंच से कोई तस्वीर सामने रखी जाती है तो उसका उपयोग किसी भी तरह से, किसी के द्वारा भी नकारात्मक उद्देश्य के लिए किया जा सकता है। प्रसिद्धि और धन की ललक में बच्चों को सोशल मीडिया की ओर धकेलना किसी भी स्थिति में उनके उज्जवल भविष्य के लिए घातक है और यह अभिभावकों का दायित्व है कि वह अपने बच्चों को इस दुनिया से दूर रखें, अन्यथा प्रसिद्धि की चाह कहीं बच्चों को किसी अनचाहे खतरे की ओर न धकेल दे।

आईएफएफआई संस्कृतियों का जुड़ाव

55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 20 से 28 नवंबर, 2024 के दौरान गोवा के मनोरम तट पर सिनेमाई उत्सव की एक नई छटा बिखेरने को तैयार है। इस वर्ष का यह महोत्सव महज फिल्मों की एक प्रदर्शनी से कहीं बढ़कर होने वाला है। विविध वैश्विक संस्कृतियों का संगम एवं उभरती प्रतिभाओं के लिए एक लॉन्चपैड होने के साथ–साथ यह आयोजन भारत की सिनेमाई विरासत के प्रति एक विनम्र श्रद्धांजलि भी होगा। आईएफएफआई 2024 न केवल अपने विकास की दृष्टि से बल्कि एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के रूप में एक ऐसा साहसिक कदम होगा, जो वैश्विक मंच पर भारत की जीवंत संस्कृति और सिनेमा की कला का उत्सव मनाएगा।

इस वर्ष, विविध संस्कृतियों को जोड़ने और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने के प्रति फिल्म महोत्सव की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए आईएफएफआई ने ऑस्ट्रेलिया को आकर्षण का केन्द्रबिन्दु वाले देश (कंट्री ऑफ फोकस) के रूप में रेखांकित किया है। आईएफएफआई का यह खंड भारतीय दर्शकों को ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा की उस तह में उतरने के लिए आमंत्रित करता है, जहां गंभीर नाटकों से लेकर साहसिक कॉमेडी और विचारोत्तेजक वृत्तचित्रों तक की चुनिंदा फिल्मों की थाह ली जायेगी। इस केन्द्रित दृष्टिकोण के माध्यम से, दर्शकों को ऑस्ट्रेलिया की अनूठी और विकसित सिनेमाई भाषा का एक ऐसा अनुभव हासिल होगा जो आईएफएफआई को अंतर–सांस्कृतिक प्रशंसा एवं संवाद का एक शक्तिशाली मंच बनाएगा। ऐसा करने के क्रम में, आईएफएफआई 2024 एक ऐसे भावविभोर कर देने वाले अनुभव को संभव बनाने हेतु फिल्मों के पारंपरिक प्रदर्शन से परे जाएगा जो इस महोत्सव को दुनिया की विविध कहानियों, लोगों एवं संस्कृतियों के बीच एक सेतु के रूप में स्थापित करेगा।आईएफएफआई 2024 का नवीनतम पुरस्कार, भारतीय फीचर फिल्म का सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक पुरस्कार, भारतीय फिल्मकारों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डालेगा। यह पुरस्कार केवल एक मान्यता भर नहीं होगा। यह एक युवा निर्देशक के करियर में एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षण होगा, जो भारतीय सिनेमा में नए दृष्टिकोण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। इस श्रेणी को पहली बार के निर्देशकों को समर्पित करके, आईएफएफआई रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें निरंतर प्रतिस्पर्धी होते फिल्म उद्योग में जगह बनाने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। जहां विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव स्थापित प्रतिभाओं पर ही ध्यान केन्द्रित करते हैं, वहीं आईएफएफआई द्वारा नवोदित फिल्म निर्माताओं को मान्यता देना विकास को बढ़ावा देने और भारतीय सिनेमा के भविष्य को अपनाने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाता है।

इस वर्ष का यह महोत्सव भारतीय सिनेमा की चार महान विभूतियों – राज कपूर, तपन सिन्हा, अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) और मोहम्मद रफी – को भी श्रद्धांजलि देगा। इन दिग्गज हस्तियों ने भारत की सिनेमाई विरासत को आकार दिया और कई पीढ़ियों के दर्शकों के दिलों पर राज किया। पुनरोद्धार की गई पुरानी फिल्मों और विशेष रूप से तैयार की गई प्रस्तुतियों को पेश करके, आईएफएफआई नई पीढ़ी के लिए उनकी कलात्मकता को जीवंत बनाएगा और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को भारत के समृद्ध सिनेमाई इतिहास की एक सार्थक झलक प्रदान करेगा। यह श्रद्धांजलि भारतीय सिनेमा की गहराई, संस्कृति पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव और इन प्रणेताओं की स्थायी प्रासंगिकता की याद दिलाएगी।आईएफएफआई का फिल्म बाजार, अब अपने 18वें वर्ष में, एक ऐसे गतिशील बाजार के रूप में प्रस्तुत है जो फिल्म निर्माताओं, फाइनेंसरों, वितरकों और अंतरराष्ट्रीय फिल्म उद्योग की अग्रणी हस्तियों को एक साथ लाता है। अपने श्व्यूइंग रूमश्च में 200 से अधिक फिल्मों के प्रदर्शन के साथ, फिल्म बाजार वह जगह है जहां कहानियों को निवेशक मिलते हैं, फिल्में वितरकों के साथ जुड़ती हैं और आपसी सहयोग का जन्म होता है। यह समर्पित मंच महोत्सव के दायरे से परे जाकर विभिन्न परियोजनाओं के विकास और उन्हें फलने–फूलने के अवसर पैदा करके केवल प्रदर्शन (स्क्रीनिंग) पर केन्द्रित अन्य फिल्म महोत्सवों से आईएफएफआई को अलग पहचान देता है। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों प्रकार के फिल्म निर्माताओं के संदर्भ में यह फिल्म बाजार वैश्विक दर्शकों के लिए एक प्रवेश द्वार और भविष्य की परियोजनाओं के लिए नेटवर्क एवं सुरक्षित समर्थन का एक दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है।

आईएफएफआई का भारतीय पैनोरमा खंड इस महोत्सव की एक ऐसी पहचान बन गया है, जो दर्शकों को समकालीन भारतीय सिनेमा के विविध

ा चयन की पेशकश करता है। 25 फीचर फिल्मों और 20 गैर–फीचर फिल्मों को उनकी सिनेमाई उत्कृष्टता, विषयगत महत्व और सौंदर्यशील रचनात्मकता के लिए चुनकर भारतीय पैनोरमा कहानी कहने की भारतीय शैली की जीवंतता एवं विविधता को प्रदर्शित करता है। अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए, यह खंड भारत के सामाजिक–सांस्कृतिक परिदृश्य के बारे में एक प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो क्षेत्रीय कथाओं से लेकर कला के क्षेत्र में अग्रगामी प्रयोगों तक पर प्रकाश डालता है। यह खंड भारतीय सिनेमा को उसकी पूरी गहराई और विविधता में प्रस्तुत करने के आईएफएफआई के मिशन को पुष्ट करता है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर फिल्म संबंधी परिचर्चा का एक अमूल्य हिस्सा बन जाता है।आईएफएफआई 2024 की असाधारण पहलों में से एक क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो (सीएमओटी) है। यह सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) का एक ऐसा कार्यक्रम है, जो युवा फिल्म निर्माताओं को निखारने के प्रति समर्पित है। सीएमओटी फिल्म उद्योग के अनुभवी पेशेवरों के साथ संपर्क की सुविधा प्रदान करते हुए उभरती प्रतिभाओं को लघु फिल्मों, वृत्तचित्रों और एनिमेशनों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सीएमओटी के माध्यम से, आईएफएफआई न केवल युवा प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर रहा है बल्कि भारतीय फिल्म निर्माताओं की अगली पीढ़ी को सफल होने के लिए संसाधनों और संपर्क के साथ सशक्त भी बना रहा है। यह पहल एक महोत्सव के रूप में आईएफएफआई की उस भूमिका को मजबूत करती है, जो उत्सव से आगे बढ़कर रचनात्मकता और विकास को निखारने की एक उपजाऊ जमीन बन जाती है।

कान्स 2024 में दुनिया का ध्यान खींचने वाले श्भारत पर्व्य के सार के अनुरूप, आईएफएफआई भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाता है। भारत की समृद्ध परंपराओं और विविधता में एकता को रेखांकित करने वाला अभियान श्भारत पर्व्य आईएफएफआई में अपनी सिनेमाई अभिव्यक्ति पाता है, जहां फिल्में, कार्यक्रम और प्रोग्रामिंग भारत की बहुमुखी पहचान को दर्शाते हैं। भारतीय संस्कृति का यह उत्सव अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को भारत की कहानी के बारे में एक व्यापक अनुभव व गहरी समझ प्रदान करता है और सिनेमा के शक्तिशाली लेंस के माध्यम से इसकी विरासत की एक झलक प्रदान करता है।भारतीय फिल्म निर्माताओं को उठाकर वैश्विक मंच पर स्थापित करने वाले एक आधार के रूप में कार्य करने वाले, आईएफएफआई 2024 का आयोजन भारतीय सिनेमा के एक परिवर्तनकारी दौर में हो रहा है। उभरती प्रतिभा, वैश्विक सहयोग और सांस्कृतिक आदान–प्रदान पर इस महोत्सव का जोर कला के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने की भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप है। फिल्म उद्योग से जुड़ी पहलों, नई प्रतिभाओं की पहचान और सिनेमाई विरासत के उत्सव से संबंधित आईएफएफआई का अनूठा संयोजन इसे भारतीय सिनेमा के विकास और वैश्विक मंच पर इसके स्वागत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है। आईएफएफआई का इस वर्ष का संस्करण फिल्म उद्योग पर एक अमिट प्रभाव छोड़ने का संकल्प व्यक्त करता है और आईएफएफआई को एक ऐसे महोत्सव के रूप में परिभाषित करता है, जो न केवल भारत की सिनेमाई संस्कृति को दर्शाता है बल्कि सक्रिय रूप से इसके भविष्य को आकार भी देता है।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के लिए, आईएफएफआई 2024 भारत के जीवंत सिनेमाई परिदृश्य से जुड़ने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। विविध भारतीय दर्शकों तक पहुंच, फिल्म बाजार के संसाधनों तक पहुंच और ऑस्ट्रेलियाई शोकेस जैसे वर्गों के साथ जुड़ाव प्रदान करके, आईएफएफआई अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को भारत के स्वाद, रुझान और अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। प्रतिष्ठित भारतीय कलाकारों को आईएफएफआई की श्रद्धांजलि एक समृद्ध सांस्कृतिक संदर्भ भी प्रदान करती है जो अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को भारतीय सिनेमा की विरासत और योगदान की सराहना करने में सक्षम बनाती है। इन संवादों के माध्यम से, आईएफएफआई एक ऐसा अनूठा सहयोगात्मक वातावरण बनाता है जो भारतीय और वैश्विक सिनेमा को समृद्ध करता है।55वां आईएफएफआई एक ऐसा महोत्सव है, जो भविष्य की प्रतिभाओं को गले लगाते हुए और भारतीय सिनेमा की दिग्गज हस्तियों को श्रद्धांजलि देते हुए दूरदर्शी रचनात्मकता के साथ परंपरा का सहज विलय करता है। श्भारत पर्व्य की भावना से लेकर उभरती प्रतिभाओं के लिए एक नए पुरस्कार की शुरुआत करने तक, आईएफएफआई 2024 सिनेमा के विकसित स्वरुप का प्रतीक है और यह संपर्क के एक उपकरण के रूप में कहानी कहने की शक्ति का उत्सव मनाता है। चूंकि यह महोत्सव अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रमुखों और दर्शकों को एक साथ आकर्षित करता है, यह भारत को वैश्विक सिनेमा में एक प्रमुख अंग के रूप में स्थापित करता है और स्थायी प्रभाव एवं दृष्टिकोण वाले एक महोत्सव के रूप में आईएफएफआई की हैसियत की पुष्टि करता है।

किसानों के लिए अधिक लाभदायक होगी

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल में केंद्र सरकार ने छह रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्क) में वृद्धि की है। यह वृद्धि न्यूनतम 130 रु पये और अधिकतम तीन सौ रुपये प्रति क्विंटल है। गेहूं के एमएसपी में 150 रु पये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई।

रेपसीड और सरसों के दाम में प्रति क्विंटल तीन सौ रु पये बढ़ाया गया है। मसूर में 275 रुपये की वृद्धि की गई है। सरकारी दर पर रबी फसलों की खरीद–बिक्री का सत्र अप्रैल, 2025 से शुरू होगा।

खास बात यह है कि अधिकतर फसलों की एमएसपी अब लागत के लगभग डेढ़ गुना हो चुकी है, जिसकी मांग किसानों की ओर से लगातार हो रही थी। एमएसपी में 23 फसलों को शामिल किया जा चुका है। एमएसपी बढ़ाने को लेकर किसान आंदोलन करते रहे हैं। सवाल है कि क्या इस बार एमएसपी बढने से अगली बार आंदोलन नहीं होगा! एमएसपी किसानों से तय दर पर फसल खरीदने की गारंटी है। इसकी वजह से किसानों को बाजार के उतार–चढ़ाव से सुरक्षा मिलती है।

एमएसपी की शुरु आत 1967 में हुई थी। एमएसपी तय करने के लिए कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की रिपोर्ट का इस्तेमाल किया जाता है। सीएसीपी उत्पादन लागत, बाजार के रुझान और मांग–आपूर्ति के हिसाब से एमएसपी तय करता है। एमएसपी की गणना के लिए सीएसीपी खेती की लागत को तीन हिस्सों में बांटता है। इसमें फसल उत्पादन के लिए किसानों के नकद खर्च के साथ–साथ पारिवारिक श्रम का भी हिसाब लगाया जाता है। एमएसपी बढने से किसानों को लाभकारी मूल्य मिलता है, और फसल विविधीकरण में मदद मिलती है।

एमएसपी बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार का तर्क है कि इससे किसानों

की आय बढ़ेगी। हालांकि किसान नेता सरकार के दावे से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार के कई उपाय हो सकते हैं। इसमें एक है मूल्य स्थिरता कोष का गठन यानी जब फसल की बाजार कीमत एमएसपी से नीचे चली जाए तो सरकार इसकी भरपाई करे। किसानों को धान–गेहूं की फसल की बजाय ज्यादा कीमत देने वाली फसल पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। फल, सब्जी, मवेशी, मछली पालन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की आड़ में किसानों को कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। ये कंपनियां कॉन्ट्रैक्ट तोड़ देती हैं, और किसानों को घाटा उठाना पड़ता है। कर्ज में डूब जाता है और आत्महत्या तक के लिए मजबूर हो जाता है।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि एमएसपी व्यवस्था का दबदबा इस सेक्टर में इनोवेशन को हतोत्साहित करेगा। किसान सरकारी व्यवस्था पर निर्भर होकर रह जाएंगे और जोखिम लेने से डरेंगे। इसलिए किसानों को चावल–गेहूं की एमएसपी खरीद के चक्र से छुटकारा दिलाने की जरूरत है। एमएसपी की कानूनी गारंटी किसानों का अहित करेगी। उनका दावा है कि स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक फसलों के दाम बढ़ेंगे तो खाद्य वस्तुओं के दाम 25 से 30 फीसद बढ़ जाएंगे और सरकार के लिए महंगाई नियंत्रण कठिन हो जाएगा। किसानों का कहना है कि उनकी फसल की पूरी खरीद की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। किसान जितनी फसल पैदा करेंगे, उसकी एमएसपी पर पूरी खरीद सरकार और उसकी एजेंसियों को करनी होगी। तभी किसानों का भला होगा और फसलों का विविधीकरण भी पूरा हो जाएगा।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा आत्मनिर्भरता देश के स्थायित्व और सम्मान का विषय है। एमएसपी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ–साथ खुले बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप तंत्र भी साबित हुआ है। आयात द्वारा खाद्य सुरक्षा कतर, बहरीन आदि जैसे कम आबादी और मजबूत औद्योगिक–आर्थिक आधार वाले देशों के लिए व्यवहार्य मॉडल हो सकता है।

उनका दावा है कि ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दुनिया के बाकी देशों के लिए गेहूं का उत्पादन और निर्यात कर सकते हैं, लेकिन तब कृषि गतिविधियों से जुड़े भारतीयों सहित दुनिया की आधी आबादी बेरोजगार हो जाएगी। उनका कहना है कि कुछ मामलों में आयात की पक्षपातपूर्ण सरकारी नीति ने देश में तिलहन किसानों और खाद्य तेलों के उद्योगों को हानि पहुंचाई है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में ऐसी नीतियों से बचना चाहिए।कृषि विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह लाठर कहते हैं कि एमएसपी की कानूनी गारंटी देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बाजारी मुद्रास्फीति को भी नियंत्रित करेगी जिससे किसानों को बिचौलियों के शोषण से बचाया जा सकेगा। एमएसपी की कानूनी गारंटी तिलहन–दालों सहित सभी कृषि वस्तुओं में आत्मनिर्भरता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी जो ज्यादा पानी और संसाधनों की खपत वाली अनाज फसलों के उत्पादन की तुलना में किसानों के लिए अधिक लाभदायक होगी।

नेपाल में हिंदुओं की स्थितियां बहुत खराब

हरिशंकर व्यास

नेपाल एक समय हिंदू राष्ट्र था। दोनों देशों के लोगों के बीच रोटी, बेटी का संबंध था। जनकपुर धाम नेपाल में है, जिसे भगवान राम की ससुराल मानते हैं। पुराने मिथिला राज की राजधानी जनकपुर मानी जाती है। भारत के हजारों हिंदुओं का कारोबार नेपाल में है। सीमावर्ती शहरों का लगभग सारा कारोबार भारत के हिंदुओं के हाथ में है। नेपाल की 80 फीसदी आबादी हिंदू है। लेकिन पहले नीतिगत कारणों से भारतीय लोग नेपाली नागरिकों के निशाने पर आए और उसके बाद भारत के हिंदुओं को भी निशाना बनाया जाने लगा। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि भारत में हिंदू, मुस्लिम का विभाजन वहां भी पहुंच गया है। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच पिछले साल अक्टूबर में एक बड़ा विवाद हुआ था, जिसकी वजह से कई दिन तक उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे नेपालगंज के बांके शहर में कर्फ्यू लगा। असल में किसी व्यक्ति ने इंटरनेट पर इस्लाम के प्रति कोई आपत्तिजनक कंटेंट डाल दिया था। इसके विरोध में मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। अगले दिन हिंदुओं ने शांति जुलूस निकाला तो जुलूस के ऊपर हमला हो गया। जम कर पथराव हुआ और गोलियां चलीं। वीडियो वायरल हुआ, जिसमें हिंदू भगवा ध्वज लिए हुए भाग रहे हैं और उन पर पत्थरों की बौछार हो रही है।

नेपाल में भले 80 फीसदी आबादी हिंदुओं की है लेकिन वहां भारतीय हिंदुओं की स्थितियां बहुत खराब है। भारत के लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है, जिससे उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। भू राजनीतिक कारणों से नेपाल की एक के बाद एक सरकारों ने भारत के प्रति विद्वेष की नीति अपनाई है। सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है तो चीन की दखल की वजह से भी नेपाल में भारत विरोधी भावनाएं भड़की हैं। भारत के हिंदू, जो वहां कारोबार किसी तरह से अपने को बचाए हुए हैं वे कारोबार बंद करके भारत लौट रहे हैं।

पिछले साल दो हजार रुपए का नोट बंद किए जाने के बाद अचानक ऐसी स्थितियां बनीं, जिनसे भारतीयों, हिंदुओं को बड़ा नुकसान हुआ। नेपाल ने एकतरफा तरीके से भारतीय मुद्रा पर पाबंदी लगा दी। एक सौ रुपए से ऊपर के मूल्य की सारी मुद्राएं प्रतिबंधित कर दी गईं। सौ रुपए से ऊपर की खरीदारी पर नजर रखी जा रही है और टैक्स लगाया जा रहा है। भारतीय मुद्रा रुपए का नेपाली रूपए के मुकाबले तेजी से अवमूल्यित हो रहा है। भारत के कानून के मुताबिक कोई भारतीय नागरिक 25 हजार रुपए नकद लेकर नेपाल जा सकता है लेकिन नेपाल अब इस नियम को भी नहीं मान रहा है। 25 हजार रुपए नकद रखने पर नेपाल में गिरफ्तार किया जा सकता है। नेपाल के इस रवैए से सीमा के आसपास के लोगों का सैकड़ों करोड़ रुपए का प्रतिदिन का कारोबार प्रभावित हो रहा है। नवंबर 2016 की नोटबंदी के समय से ही ऐसी स्थिति बनी हुई है। दोनों देशों के बीच इसे लेकर बातचीत भी हुई, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकल सका। दूसरी ओर नेपाल के इस रवैए से तस्करी में बढ़ोतरी है। ड्रग्स और हथियारों से लेकर सोना और रोजमर्रा की जरुरत की चीजों की तस्करी हो रही है।

देश में अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की ८९ रामसर साइटस: कीर्तिवर्धन सिंह

विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर रिजनल वर्कशाप ऑन कन्जर्वेशन एण्ड वाइज यूज ऑफ वेटलैंड्स का हुआ आयोजन

अयोध्या(आरएनएस)। केंद्रीय विदेश तथा वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने की अध्यक्षता में विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025 के अवसर पर पंचशील होटल अयोध्या में विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025 के अवसर पर पंचशील होटल अयोध्या में रिजनल वर्कशाप ऑन कन्जर्वेशन एण्ड वाइज यूज ऑफ वेटलैंड्स का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ0प्र0, लखनऊ अनुराधा वैमुरी, संयुक्त सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, भारत सरकार रजत अग्रवाल तथा सदस्य सचिव, राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश नीरज कुमार अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही उक्त कार्यशाला में रामसर साइट के मैनेजर एवं विभिन्न राज्यों के उच्चाधिकारी के साथ–साथ विभिन्न संस्थाओं के अधिकारियों तथा प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। राज्य मंत्री, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार कीर्तवर्धन सिंह ने बताया कि देश में अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की 89 रामसर साइटस हो गयी है। शुक्रवार को 4 नए रामसर साइटस को जोड़ा गया है। पहले इसकी संख्या 85 थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्द्रभूमि के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में अभूतपूर्व निर्णय लिए गए हैं तथा उसके क्रियान्वयन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरी दुनिया में विश्व वेटलैंड्स दिवस 2 फरवरी को मनाया जाता है। भारत सरकार भी प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में लोगों को आर्द्रभूमियों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अनेक कार्यक्रमों को आयोजित करती है। इस बार यह गौरव भारत सरकार

द्वारा उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट 'पार्वती अरगा पक्षी विहार' को मिला है। इस कड़ी में आज अयोध्या में क्षेत्रीय उत्तर भारत के 9 राज्यों की वर्कशॉप का आयोजन हुआ है। 02 फरवरी को विश्व वेटलैंड्स दिवस के उपलक्ष्य में पार्वती अरगा पक्षी विहार में भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। 2 फरवरी को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पार्वती अरगा आर्द्रभूमि का एकीकृत प्रबंधन योजना पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को सौंपेगी। पिछले एक माह से पूरे देश में, नेशनल म्यूजियम ऑन नेचुरल हिस्ट्री द्वारा आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें 2000 से अधिक स्कूल एवं कॉलेज के बच्चों ने पेंटिंग, नुक्कड़–नाटक एवं क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। गोंडा में भी बड़े पैमाने पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में स्कूल एवं कॉलेज के बच्चों ने पेंटिंग, नुक्कड़–नाटक एवं प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यशाला में भारत के पाँच राज्यों एवं चार संघ शासित प्रदेशों से आए हुए रामसर साइट्स मैनेजरों ने अपने अनुभवो एवं विचारों को साझा किए। कार्यशाला में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू– कश्मीर एवं लद्दाख से आए रामसर मैनेजर शामिल हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि वेटलैंड्स के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए समग्र विकास की मुख्यधारा में लाने और सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा 'मिशन सहभागिता' 2022 में शुरू किया गया था। भारत का वेटलैंड्स संरक्षण दृष्टिकोण मिशन सहभागिता के माध्यम से स्टेकहोल्डर्स की भागीदारी और विकास योजनाओं में वेटलैंड्स संरक्षण को मुख्यधारा में लाने पर केंद्रित है। उत्तर प्रदेश 1,33,434 वेटलैंड्स से समृद्ध है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 5.16 प्रतिशत कवर करती हैं। उत्तर प्रदेश में दस रामसर साइट्स हैं, जिनमें राज्य की पहली रामसर साइट 'ऊपरी गंगा नदी' से लेकर नवीनतम 'हैदरपुर वेटलैंड्' तक शामिल हैं। तमिलनाडु के बाद उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक रामसर साइट्स हैं। पार्वती अरगा पक्षी विहार प्राकृतिक बाढ़ क्षेत्र की सबसे बड़े वेटलैंड्स में से एक है, जो एक लाख से ज्यादा पक्षियों को आश्रय प्रदान करता है। यह वेटलैंड् समृद्ध वनस्पति और जीव–जंतुओं की विविधता का घर है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राष्ट्रीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण योजना के तहत 13 आर्द्रभूमियों का संरक्षण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राज्य स्तरीय आर्द्रभूमि संचालन समिति ने जिला स्तर पर महत्वपूर्ण वेटलैंड्स की पहचान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं। पत्रकार वार्ता में मंत्रालय के संयुक्त सचिव रजत अग्रवाल, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अनुराधा वैमुरी उपस्थित थे। कार्यशाला के प्रारम्भ में डा0एम0 रमेश, वैज्ञानिक एफ, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यशाला में आये सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, कार्यशाला के उद्देश्य तथा उसके साथ 2 फरवरी को पार्वती अर्गा पक्षी विहार, गोंडा में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराया गया। इसके पश्चात माननीय संयुक्त सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, भारत सरकार द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण तथा उसके विवेकपूर्ण उपयोग के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही उनके द्वारा आर्द्रभूमि में पायी जाने वाली विभिन्न वनस्पतियों तथा जीव जन्तुओं के सम्बन्ध में भी चर्चा की गयी। इसके पश्चात् मंत्री द्वारा पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा वेटलैंड संरक्षण एवं तालाबों के नवजीवन हेतु सात कदम पोस्टर लांच किया गया। अनुराधा वैमुरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं विकास के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।

अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस बरामद

गोण्डा। मिली जानकारी अनुसार रविवार को थाना कोतवाली कर्नलगंज के उपनिरीक्षक रमेश कुमार मय हमराह फोर्स के साथ शांति व्यवस्था ड्यूटी हेतु क्षेत्र में रवाना थे कि प्राप्त सूचना के आधार पर चोरी के मुकदमें के वांछित अभियुक्त–1. रिंकू पुत्र गरीबे को कांशीपुर बंधे के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय 1 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया गया।

उक्त गिरफ्तार अभियुक्त अपने साथी अभियुक्त मनोज यादव के साथ मिलकर ग्राम बसेरिया कर्नलगंज के एक घर में चोरी की थी। अभियुक्त मनोज यादव को गांव के लोगो द्वारा पकड़कर थाने में चोरी के माल के साथ सुपुर्द किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तगण 1, मनोज यादव पुत्र रामचन्दर यादव निवासी चन्द्रभान पुर थाना कर्नलगंज जनपद गोण्डा, 2. रिंकू पुत्र गरीबे निवासी ग्राम पाल्हापुर थाना कर्नलगंज जनपद गोण्डा के विरूद्ध थाना कोतवाली कर्नलगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया।

दोषी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा निवासी राम बाबू श्रीवास्तव ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, सचिव विकास प्राधिकरण, जिलाधिकारी के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर मनोज कुमार द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण कराये जाने के मामले में तत्काल प्रभाव से रोक लगाने और दोषी के विरूद्ध कार्रवाई का आग्रह किया है। पुलिस के हस्तक्षेप पर रविवार की दोपहर में अवैध निर्माण कार्य रोक दिया गया।

संक्षेप

सीमा स्तंभों का किया निरीक्षण

श्रावस्ती 12 जनवरी (नि0सं0)। शनिवार को जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया व 62 वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण ने शनिवार देर शाम शासन के निर्देश के क्रम में प्रयागराज महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना

सिरसिया क्षेत्र अंतर्गत इंडो नेपाल के तुरुष्मा बार्डर पर भ्रमण कर जायजा लिया और लोगों से मिल कर उनका कुशल क्षेम भी जाना इसके अतिरिक्त स्तंभ संख्या 634/1 पर पहुंच कर भौतिक निरीक्षण भी किया। तत्पश्चात थाना सिरसिया पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम के साथ एरिया डोमिनेशनध्फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान संदिग्ध वाहनोंध व्यक्तियों की चेकिंग भी की गई।

शोक–संवेदना व्यक्त कर कैंडल मार्च

कानपुर । शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर द्वारा मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज संगम में हुए हादसे में कई श्रद्धालुओं की दुखद मृत्यु हो जाने की भयावह स्थित के दुखद समाचार पर संवेदना प्रकट करने हेतु कांग्रेस मुख्यालय तिलक हाल से शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी के नेतृत्व में कैंडल मार्च का आयोजन किया गया इस अवसर पर सुभाष प्रतिमा, बीच वाले मंदिर, मेस्टन रोड पहुंचकर जहां सभी दिवंगत श्रद्धालुओं की मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से उनकी आत्माओं की शांति प्रदान करने तथा हादसे में घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ लाभ की भी कामना की गई कार्यक्रम के अंत में 2 मिनट का मौन भी रखा गयाश्रद्धांजलि व कैंडल मार्च में प्रमुख रूप से शंकर दत्त मिश्रा, आलोक मिश्रा, मदन मोहन शुक्ला,पवन गुप्ता, दिलीप शुक्ला, अवनीश सलूजा, लल्लन अवस्थी, हरीश गुप्ता, रमाकांत मिश्रा, संजय बाथम, राजेश गौतम, महेश मेघानी, संजय दीक्षित, गुफरान अहमद, राज लक्ष्मी सिंह, जावेद जमील उस्मानी, अफजाल अहमद, रवि तिवारी, रामजी दुबे, आतिफ रहमान, इमरान कुरेशी, शकील मंसूरी, अब्दुल तारिक, शांतनु दीक्षित, संजीव मिश्रा, दीपक त्रिवेदी, अतहर मंसूरी, खुर्रम, अमिताभ दत्त मिश्रा, चंद्रमणि मिश्रा, राधेश्याम कश्यप आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

दो मिनट का मौन धारण

कानपुर (आरएनएस)। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों की स्मृति में कलेक्ट्रेट सभागार में आज सुबह 11 बजे दो मिनट का मौन धारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह दिन हमें उन शहीदों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी । इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. राजेश कुमार, अपर जिला अधिकारी वित्त राजस्व, राजेश कुमार, अपर जिला अधिकारी न्यायिक चंद्रशेखर सहित कलेक्ट्रेट के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें।

बदसुलूकी का वीडियो वायरल

सिराथू, (कौशाम्बी)। सिराथू तहसील क्षेत्र के एक गांव में जेसीबी द्वारा मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा था , सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार मिट्टी का अवैध खनन रोकने पहुंचे तो वहां मौजूद लोगो ने बदसुलूकी शुरू कर दिया जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया ने वायरल हो रहा है।बताते चले कि सिराथू तहसील क्षेत्र के टिकरडीह गांव में मिट्टी माफियाओं द्वारा जेसीबी लगाकर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा था , जिसकी सूचना नायब तहसीलदार को मिली तो नायब तहसीलदार सिराथू राजस्व टीम के साथ जेसीबी व ट्रैक्टर को पकड़ लिया इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने विरोध करते हुए नायब तहसीलदार के साथ बदसुलूकी करने लगे जिसके बाद नायब तहसीलदार ने मामले की जानकारी एसडीएम सिराथू को दी। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। हालाकी लोकमित्र इस वायरल वीडियो की पुष्टि नही करता है।

विधि विधान से विद्यालय के अतिरिक्त कक्षा कक्ष का शिलान्यास

बस्ती। रविवार को बसंत पंचमी के अवसर पर कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पोखरा में अतिरिक्त कक्षा कक्ष का शिलान्यास

देवनाथ पाण्डेय द्वारा किया गया। पुरोहित चंद्र प्रकाश पाण्डेय ने विधिपूर्वक मंत्रोचार के साथ सम्पन्न कराया।इस अवसर पर जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अम्बिका पाण्डेय, पीएम श्री विद्यालय सहजनपुर के शिक्षक स्कंद मिश्रा, किसान डिग्री कॉलेज के पूर्व उपाध्यक्ष अमित सिंह भवन निर्माण प्रभारी एवं जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद त्रिपाठी के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुण्डेरवा चीनी मिल का भ्रमण

बस्ती । राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की कड़ी में रविवार को पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय देवमी बनकटी के 32 छात्र–छात्राओं ने मुण्डेरवा चीनी मिल का भ्रमण किया। मिल के जीएम महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों और शिक्षकों का चीनी मिल परिसर में स्वागत करने के साथ ही छात्रों को मिल तकनीक के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी वे। छात्रों ने गन्ने के उतारने, काटने, चीनी बनने की प्रक्रिया, बिजली उत्पादन के बारे में छात्रों को विस्तार से जानकारी दिया। उन्होने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये उन्हें संतुष्ट किया।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने बताया कि छात्रों को ज्ञान, विज्ञान की वास्तविक जानकारी हो।

युवक मृतक आश्रित पद पर नौकरी के लिए भटक रहा

गोसाईगंज–अयोध्या(आरएनएस)। गोसाईगंज नगर पंचायत में बीते 5 महीनों से मृतक आश्रित पद पर नौकरी पाने के लिए मो. शरीफ दर दर भटक रहा है।पेंशन और नौकरी न पाने से उसका परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। नौकरी पाने के लिए मो0 शरीफ ने तत्समय तैनात रहे ईओ इंद्रभान के कार्यकाल में सारे जरूरी कागजात भी कार्यालय में जमा कर दिया परन्तु कुछ नही हुआ। इसी बीच ईओ इंद्रभान का तबादला लखनऊ जनपद के बक्शी का तालाब में हो गया और उनकी जगह कुशी नगर जनपद के तमकुही राज नगर पंचायत से तबादले पर आई ईओ सीमा रॉय ने डेढ़ महीने पूर्व गोसाईगंज नगर पंचायत का चार्ज भी ले लिया। बावजूद मो0 शरीफ को मृतक आश्रित पद पर जिम्मेदारानो ने ड्यूटी नहीं ज्वाइन कराया।शुक्रवार को मामला जब मीडियाध सभासदों के पास पहुंचा तो इसकी गूंज पंचायत परिसर में होने लगी। हरकत में आए पंचायत प्रशासन ने मामले में जल्द ही मो शरीफ को ड्यूटी ज्वाइन कराए जाने का आश्वासन सभासदों को दिया।इतना ही नही मृतक सफाई कर्मी के पुत्र मो0 शरीफ का यह भी आरोप है कि सफाई नायक का कार्यभार देख रहे जैसराज गौड ने सितंबर से लेकर जनवरी तक वार्डो में उससे सफाई कार्य की ड्यूटी भी ली,लेकिन उसका भी भुगतान आज तक उसको नहीं किया गया।मामले में ईओ सीमा रॉय ने बताया कि मामला हमारे जानकारी में आज आया है।

शिवपाल अध्यक्ष, गिरीश चंद्र मंत्री बने

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का जनपदीय निर्वाचन श्री कृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेजके सभागार में चुनाव अधिकारी आलोक तिवारी, जिला मंत्री अयोध्या के निर्देशन में संपन्न हुआ सभी पदों पर सर्वसम्मत से निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ ।सर्व सम्मति से शिवपाल सिंह अध्यक्ष, गिरीश चंद्र चौबे मंत्री, विनोद कुमार पाठक कोषाध्यक्ष, आज्ञाराम यादव आय व्यय निरीक्षक, श्रीमती नीलिमा गौतम, प्रत्यूष कुमार सिंह, रामगोपाल यादव, डॉ.श्रीकांत, डॉ विकासभट्ट उपाध्यक्ष, श्रीमती कसीदा बानो संयुक्त मंत्री घोषित किये गये। इसके अतिरिक्त शिव शरण चौधरी, धर्मपाल सिंह, मनीष श्रीवास्तव दिवाकर, अमर सिंह, हरिनाथ शुक्ला, वेद प्रकाश द्विवेदी, दिनेश कुमार, लाल बहादुर, डॉ. राम हरीश मौर्य, राजेश मणि त्रिपाठी, वीरेंद्र प्रसाद उपाध्याय रहे।

विवेकानंद को नमन कर किया श्रमदान

सुल्तानपुर(आरएनएस)। हर सप्ताह रविवार को होने वाला साप्ताहिक श्रमदान गोमती मित्रों ने बादलों की लुका छुपी और भीषण सर्दी के बीच श्री सीता कुंड धाम पर प्रात 7रू00 बजे से शुरू करते हुए 2 घंटे की अथक मेहनत के साथ नदी के तट से लेकर पूरे धाम परिसर को साफ सुथरा करने के साथ संपन्न किया। श्रमदान के पश्चात स्वामी विवेकानंद जी की जयंती जिसे युवा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, इस मौके पर उपस्थित गोमती मित्रों ने स्वामी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने गोमती मित्रों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का यह कहना कि उठो जागो और तब तक न रुको जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लो को गोमती मित्रों को अपने जीवन का ध्येय वाक्य बना लेना चाहिए। वरिष्ठ पदाधिकारी संत कुमार प्रधान जी ने बताया कि सनातन संस्कृति को वैश्विक पटल पर पुनः प्रतिष्ठित करने का श्रेय स्वामी जी को ही जाता है। श्रमदान में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन,मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी,अजीत शर्मा,राकेश मिश्रा,संत कुमार प्रधान,मुन्ना सोनी,सुजीत कसौधन,दिनकर प्रताप सिंह,मुन्ना पाठक,अजय प्रताप सिंह,लड्डू शिवांश आदि रहे।

पेयजल के लिए श्रद्धालुओं को होती है परेशानी

सैनी, (कौशाम्बी)। नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के कुबरी घाट में घाट किनारे मिट्टी का मलबा जमा देख आप चौक पड़ेंगे , घाटों पर फिसलन इतनी की पर्यटक गिरकर चोटिल हो रहे हैं । बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग अब तक सिर्फ नाम के ही कर्मचारी लगाकर अपनी खानापूर्ति कर रहा है। शक्तिपीठ कड़ा धाम के कुबरी घाट किनारे पक्के घाट पर मिट्टी जमा है , लेकिन घाटों पर साफ सफाई न होने के कारण श्रद्धालु फिसलकर चोटहिल हो जाते है। गंगा आरती करवाने वाली संस्था ने अपने बल पर पूरे घाट की सफाई करवाई है। घाट किनारे रहने वाले श्यामू गंगा वासी का कहना है कि बरसात के बाद घाट किनारे पानी हटाने के बाद मिट्टी की परत जमा हो गई जिसके कारण हालात ऐसे है की कोई ना कोई श्रद्धालु गिरकर चोटिल हो रहा है। मिट्टी चिकनी होने के कारण श्रद्धालुओं को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आशीष विश्वकर्मा का कहना है कि सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च करके कुबरी घाट में पक्का घाट बनवाया गया है लेकिन नगर पंचायत द्वारा नियमति साफ सफाई न होने से गंदगी का अंबार लगा रहता है। किसान यूनियन के नेता मोतीलाल का कहना है कि नगर पंचायत के जिम्मेदारों की हीलाहवाली के कारण घाट पर नियमति सफाई नहीं होती है जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी होती हैं। अंकित गंगा वासी का कहना है कि राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कड़ा धाम के विभिन्न चौराहों पर वाटर कूलिंग टैंक लगवाया गया था। देखभाल के अभाव मे आरओ वाटर कूलिंग टैंक खराब पड़े हैं। जिसके चलते नगर के वाशिंदों व यात्रियों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा हे। शीतला धाम में लगा आर ओ कई महीनों से खराब पड़ा है जिससे श्रद्धालुओं को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। मामले की शिकायत नगर पंचायत से किया पर सुनवाई नहीं हो रही।

निरहुआ पर कसा तंज, बोले राजनीति हुई खत्म

आजमगढ़। बता दे की रविवार को अपने जनसंपर्क यात्रा पर निकले गगन यादव ने पत्र प्रतिनिधि से वार्ता करते हुए कहा कि युवाओं को जोड़ने अतरौलिया विधानसभा पहुंचा हूं यहां से गाजीपुर और बलिया जाएंगे। जितनी भी कड़ियां हमारी टूटी हुई है उन्हें जोड़कर मजबूत बनाया जाए। लड़ाई बहुत बड़ी है इस लड़ाई में अगर युवा हमारा साथ देते हैं तो आने वाले समय में हम इनको पूरा भरोसा दिलाते हैं ।आने वाले समय में यह अपना मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री भी बना पाएंगे। पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक युवाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए उनके साथ हूं। पवई में हुए पुलिस के साथ दुर्व्यवहार पर बोले की बहुत ही दुखद है ।हमने उनको पूरा भरोसा दिलाया है। एक पुलिस वाला अपने पूरे जीवन में सिर्फ सलूट मारता रहता है चाहे वह उनके अधिकारी हो या बड़े लोग । आने वाले समय में हम उनके सम्मान में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। लोगों की लड़ाई लड़ते हैं इसीलिए लोग समझते हैं कि यह बाहुबली है। अहीर रेजिमेंट बनाने के सवाल पर कहा कि मुझे इस काम में सफलता मिल रही है। जिस तरह से जाति आधारित भारतीय सेना में रेजीमेंट बनी हुई है उसी तरह अहीर रेजिमेंट भी बनाया जाय, जिससे हमारे मान सम्मान और स्वाभिमान को संतुष्टि मिल पाए। निरहुआ के अहीर रेजिमेंट बनाने के सवाल पर कहा कि एक कलाकार कभी जमीनी लड़ाई नहीं लड़ सकता क्योंकि वह कभी जमीन देखी ही नहीं है। सरकार सिर्फ वोट के लिए कलाकारों को टिकट दे रही है जिससे उनका वोट बैंक तो बन जाता है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ नहीं होती। कलाकार कभी राजनीति नहीं कर पता है। लोगों की लड़ाई के लिए सहनशक्ति होनी चाहिए एक नेता सबसे ज्यादा गाली सुनता है। निरहुआ की राजनीति खत्म हो चुकी है वह सिर्फ राजनीति में 2 साल के लिए आए थे उनके बारे में और कुछ ज्यादा नहीं कहेंगे।

छात्र ने होमवर्क पूरा न होने पर किया सुसाइड

कानपुर । होमवर्क पूरा न होने पर 9वीं के स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया छात्र ने रातभर पढ़ाई की सुबह चाचा के साथ स्कूल गया, गेट पर पहुंचते ही रोने लगा और वापस घर आ गया मंगलवार शाम को घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया घटना रावतपुर थाना क्षेत्र के विनायकपुर की है बेटे को बुलाने के लिए मां कमरे में पहुंची तो वह फंदे से लटका हुआ था यह देख मां चीखने लगी आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी पहुंच गए छात्र के शव को नीचे उतारकर तुरंत हैलट अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। छात्र के चाचा का कहना है कि मेरा भतीजा पढ़ने में अच्छा था स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के चलते सुसाइड किया है हम स्कूल प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराएंगे विनायकपुर निवासी दिनेश चंद्र कुशवाहा आरटीओ में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं वह ऑफिस गए थे घर में पत्नी, दो बेटियां और 15 साल का बेटा दिव्यांश था छात्र की मां ने बताया– सोमवार रात में दिव्यांश पढ़ाई करने के लिए अपने कमरे में चला गया रात भर पढ़ाई कर रहा था इसके बाद मैं भोर में पानी पीने के लिए उठी तो देखा दिव्यांश के रूम में लाइट जल रही है मंगलवार की सुबह उठा तो कहने लगा कि अभी होमवर्क पूरा नहीं हुआ है आज मैं स्कूल नहीं जाऊंगा हम लोगों ने कहा तुम स्कूल जाओ कोई दिक्कत नहीं है फिर वो तैयार हुआ चाचा के साथ स्कूल गया वहां गेट पर रोने लगा चाचा उसे लेकर वापस घर आ गए घर आने के बाद दिनभर वह गुमसुम था शाम 4 बजे उसको बुलाया तो कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला, कमरे में गई तो वह फंदे से लटका हुआ था चाचा प्रदीप कुशवाहा ने कहा मेरा भतीजा दिव्यांश काफी पढ़ने में तेज था वह शारदा नगर के भगवंती सेंटर एजुकेशन सेंटर में 9वीं क्लास पढ़ाई करता था वह थोड़ा रिजर्व नेचर का था घर–परिवार और पढ़ाई से ही मतलब रखता था प्रदीप ने बताया सोमवार को दिव्यांश स्कूल से आया तो उदास लग रहा था।

खून से लथपथ नग्न अवस्था में मिला शव

अयोध्या(आरएनएस)। एक हफ्ते से लापता महिला का कोतवाली अयोध्या अंतर्गत एक गांव में नाले में शनिवार की सुबह शव मिला। खून से लथपथ

➤ एक हफ्ते से थी लापता, घर वालों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

➤ कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के एक नाले में शनिवार सुबह मिला शव

महिला का शव नग्न अवस्था में नाली में पड़ा था। महिला के साथ दुष्कर्म करने की भी आशंका जताई जा रही है। प्रथम दृष्ट्या में मामला दुष्कर्म और हत्या का लग रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली अयोध्या पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाया। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक जांच में पुलिस को घटनास्थल से खून से लथपथ महिला के कपड़े भी मिले। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। कोतवाल मनोज शर्मा ने बताया कि मृतका शुक्रवार की शाम से लापता थी। पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। महिला मानसिक रूप से बीमार थी। बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट होगी। घटना की जांच की जा रही है।

महिला की रेप व हत्या की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन, सपा महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव के साथ शहनवां गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। पूर्व मंत्री ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि दलित परिवार की बेटी 3 दिन से गायब थी। परिवार के लोग प्रशासन के चक्कर लगाते रहे लेकिन प्रशासन ने कोई मदद नहीं की। आज शनिवार को बिटिया के दोनों हाथ पैर बांधकर नग्न अवस्था में शव मिला है उसकी दोनों आँखें फोड़ दी गई है उसके साथ दुर्दांत व्यवहार हुआ है। परिवार ने 3 दिन पहले सूचना पुलिस प्रशासन को दी थी। अगर प्रशासन ने ईमानदारी से अपना कार्य किया होता तो शायद बिटिया के साथ ऐसी घटना न होती और बिटिया जीवित रहती।हम प्रशासन से मांग करते है कि जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई करे तथा परिवार को 1 करोड़ रुपये मुआवजा दे। महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि ये बहुत ही दुखद घटना है। आज भाजपा सरकार में इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं।

अपराधी निडर होकर इस तरह के कामों को अंजाम देते हैं। हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते है कि जो भी पुलिसकर्मियों ने इस मामले में लापरवाही बरते हैं और दोषी हैं, उनके खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिया जाए। महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, वीरेंद्र गौतम, जिला उपाध्यक्ष अरौनी पासवान, राम बदल, अंसार अहमद बब्बन, सोनू यादव पार्षद प्रतिनिधि, सिकंदर चौधरी, जगन्नाथ यादव इत्यादि लोग मौजूद थे ।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

प्रयागराज

प्रयागराज,गुरुवार 06 फरवरी 2025

राम कथा हमें सत्य, धर्म, और कर्म के महत्व को समझाती है- पण्डित देवकीनंदन ठाकुर

महाकुंभ नगर। राम कथा जीवन को एक दिशा और उद्देश्य प्रदान करती है। यह हमें सत्य, धर्म, और कर्म के महत्व को समझाती है, साथ ही हमारे जीवन को आंतरिक शांति और संतुलन से भर देती है। जैसे घड़ी की सूई अपने निर्धारित समय पर चलती है और सभी भागों का संतुलन

बनाए रखती है, ठीक उसी प्रकार परिवार के प्रत्येक सदस्य को अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझते हुए सामंजस्यपूर्ण तरीके से काम करना चाहिए। जब सभी सदस्य एक दूसरे के साथ मिलकर अपने–अपने स्थान पर सही कार्य करते हैं, तो परिवार भी सुख–शांति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है। इस संसार में महिलाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। यदि एक देवी अपने पति के प्रति सच्ची निष्ठा और पतिकर्तव्य में दृढ़ विश्वास रखती है, तो वह संसार की सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली शक्ति बन सकती है। एक पतिव्रता स्त्री का आशीर्वाद और शक्ति अनमोल होती है, जो परिवार, समाज और संसार में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। उनका संकल्प, प्रेम और समर्पण न केवल उनके परिवार की नींव को मजबूत करता है, बल्कि वे अपने आस–पास के लोगों को भी प्रेरित करती हैं। फिल्मी दुनिया आजकल हमारी सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं को पूरी तरह से बदलने की दिशा में काम कर रही है। बॉलीवुड बच्चों और युवाओं को गलत दिशा दिखा रहा हैं। आजकल फिल्मों में दिखाए जाने वाले गलत मूल्य, समाजिक मुद्दों का गलत चित्रण और नकारात्मक किरदार बच्चों पर गहरा असर डालते हैं। हमारे पारंपरिक संस्कार, नैतिक मूल्य और परिवारिक मूल्य अब फिल्मों में लगभग गायब हो चुके हैं, और इसके स्थान पर असली जीवन से बहुत दूर की बातों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आज दिल्ली की संसद में भी सनातन बोर्ड की चर्चा हुई है। संसद में यह महत्वपूर्ण विषय उठाया गया और यह सुझाव दिया गया कि देश में सनातन धर्म के संरक्षण के लिए एक विशेष ष्सनातन बोर्डष की स्थापना की जानी चाहिए। हमारी आवाज संसद में पहुंच गई है, इसका मतलब है कि हम सही रास्ते पर चल रहे हैं और हम अवश्य सफल होंगे।

पुरी शंकराचार्य का 30वां पीठारोहण समारोह

महाकुम्भ नगर। जम्मू–कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पांडुरंग कोंडबाराव पोले सपत्नीक कुम्भनगर पहुंचकर संगम स्नान किया, गोवर्द्धनमठ पुरीपीठ के शिविर में शंकराचार्य जी का आशिर्वाद लिया लंगर में सेवा किया और दण्डी स्वामियों के जूठे पत्तल भी उठाये।

राज्य महासचिव संगठन भाजपा श्री अशोक कोल के नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर के विधानसभा सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने शंकराचार्य का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेटकर स्वागत अभिनंदन किया।

महाकुम्भ मेला में महिला से चेन छिनैती व दो के मोबाइल चोरी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ क्षेत्र से एक महिला से चेन छिनैती और दो के मोबाइल चोरी हो गया। पीड़ितों ने महाकुम्भ नगर कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस शातिर बदमाश व चोरों की तलाश में जुटी है। अमरोहा के गजरोहा निवासी रीनू कौशिक पत्नी राजपाल शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह 27 जनवरी को अपने ससुर व अन्य के साथ संगम स्नान करने के लिए आई थी। संगम घाट पर उनके ससुर के पैंट की जेब से डेढ़ हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़िता के गले से पीछे से सोने की चेन छीन ली गई। पीड़ितों ने अज्ञात बदमाश की तलाश की, लेकिन वह फरार हो चुका था। पीड़िता ने मेला के एक थाने पर जाकर जानकारी दी, तो ऑनलाइन जीडी दर्ज नहीं होने का बात कहते हुए दारागंज थाने को कहा गया। पीड़िता ने दारागंज जाने की कोशिश की, तो वीवीआईपी आगमन के चलते काफी मार्ग अवरूद्ध था। घर जाकर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से एफआईआर दर्ज कराई। वहीं फूलपुर गंगानगर निवासी संदीप सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दो जनवरी को वह परेड ग्राउंड के पास से जा रहे थे। तभी अधिक भीड़ के चलते किसी ने उनकी जॉकेट से मोबाइल गायब कर दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं : - 13820242025 दिनांक : - 03.02.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 25.02.2025 को 13:30 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

निविदा नं. : 274	अनुमानित मूल्य (रू) : 3,81,73,542.15
कार्यों का विवरण : चुनार-चोपन :- बेहतर ढलान स्थिरता के लिए गहरे कटान स्थानों से अतिरिक्त भार सामग्री (मिट्टी/पत्थर) को हटाने का कार्य।	
बयाने की रकम (रू) : 3,40,900.00	कार्य समापन की अवधि : 06 माह
निविदा खुलने की तिथि : 25.02.2025	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : ऐनी ब्रिज कांसट्रक्शन/रिबिल्डिंग/रेपयर वर्कस	

नोट : 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि **को 13:30 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित **वेबसाइट www.ireps.gov.in** पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 233/25 (C)

@CPRONCR North central railways @cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

परमार्थ कैंप दो दिवसीय कल्चर कुम्भ का आयोजन

महाकुम्भ नगर। बुधवार को परमार्थ निकेतन की ओर से परमार्थ कैंप, सेक्टर 23, अरैल घाट पर दो दिवसीय कल्चर कुम्भ का आयोजन किया गया । बुधवार को कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया ।

इस दौरान स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, साध्वी भगवती सरस्वती जी, ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपदनायक जी, पूर्व भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल जी, शान्तनु गुप्ता, पुष्कर शर्मा और शेफाली वैद्य जी, कीनोट स्पीकर एडवोकेट जे साई दीपक जी, उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात, विशेष सचिव, नगर विकास, अमित कुमार सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी महानुभावों ने महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता की प्रशंसा की । सभी सफाई व्यवस्था और व्यवस्थाओं को सराहा । इस दौरान नगर विकास, प्रमुख सचिव अमृत अभिजात जी ने कहा कि दो साल पहले से ही हमने महाकुम्भ की तैयारी शुरू कर दी थी । काशी विश्वनाथ ट्रस्ट और अयोध्या जी का जो डिवेलपमेंट हुआ है, बीते सालों में जिस प्रकार से एक्सप्रेस वे का विकास हुआ सड़कों का विकास हुआ है । एयर और रोड कनेक्टिविटी बढ़ी है । लोगों का अध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ा है उसे देखते हुए हमें पहले ही अनुमान हो गया था कि महाकुम्भ में देश–दुनिया से लोग आएंगे । लगभग 40 करोड़ लोगों के महाकुम्भ में शामिल होने की सम्भावना थी, अब तक 38 करोड़ लोग महाकुम्भ में आ चुके हैं । प्रतिदिन करीब सवा करोड़ लोग महाकुम्भ में स्नान कर

रहे हैं, हर स्तर हम लोगों को महाकुम्भ का सुखद अनुभव प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रमुख सचिव ने कहा कि पिछले कुम्भ में सरकार ने 23 सौ 15 करोड़ रुपए कुम्भ के आयोजन में खर्च किए थे । इस महाकुम्भ में सात हजार करोड़ केंद्र सरकार ने और सात हजार 400 करोड़ उत्तर प्रदेश सरकार ने खर्च किए हैं । कुल 14 हजार 400 करोड़ का इंवेस्टमेंट सरकार ने किया है । इस इन्वेस्टमेंट में 75 प्रतिशत इन्वेस्टमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया गया है, जो कि न सिर्फ महाकुम्भ में बल्कि आगे आने वाले समय में भी लोगों को सुविधाएं प्रदान करेंगे । 500 सड़कें बनाई हैं, नए रेलवे स्टेशन बनाएं । इनका आगे भी लोग इस्तेमाल करेंगे । कुम्भ में हमने 65 हजार टॉयलेट्स बनवाए थे । इस बार 1 लाख टॉयलेट्स बनाए गए हैं । 15 हजार सफाईकर्मी पूरे मेला क्षेत्र की सफाई व्यवस्था देख रहे हैं । उन सभी को हाथ जोड़ कर नमन किया । उन्होंने इतने शानदार तरीके से सफाई व्यवस्था संभाल रखी है । दिन रात 24 घंटे ये मेला क्षेत्र की सफाई में जुटे हुए हैं ।

महापौर गणेश केसरवानी ने श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण में नया उदासीन के मुखिया महंत श्री भगत राम जी से आशीर्वाद प्राप्त किया

माल परिवहन में नए कीर्तिमान कर रहा है स्थापित

प्रयागराज। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) जनवरी 2025 के दौरान मालगाड़ी परिचालन में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर चूका है, जो भारत की रसद और परिवहन दक्षता में एक नया मानक है। कुल संचालित ट्रेनेंरू डीएफसी ट्रैक पर प्रति दिन 391 ट्रेनें (औसत) दौड़ी । ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी)रू प्रति दिन 209 ट्रेनें (औसत)

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी)रू प्रति दिन 182 ट्रेनें (औसत) यह उपलब्धि निर्बाध और कुशल माल परिवहन के लिए डीएफसी पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाती है, जो औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में इसकी भूमिका को मजबूत करती है। न्यू उंचडीह स्टेशन पर उच्चतम डन्छन रेक हैंडलिंग हुई जो मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा हैरू– मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड को 09.12.2023 को स्टेशन न्यू ऊंचडीह में डीएफसीसीआईएल से जोड़ा गया था। जनवरी 2025 में, 175 एमयूएनयू रेक को हैंडल किया गया, जो अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है, जो औद्योगिक मांगों को पूरा करने में डीएफसीसीआईएल की बढ़ती दक्षता को दर्शाता है। निर्बाध महा–कुंभ मेला ट्रेन संचालन में डीएफसी प्रयागराज मंडल का कर रहा है सहयोग। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) महा–कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज डिवीजन को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे यात्री और मालगाड़ियों दोनों की सुचारू और कुशल आवाजाही सुनिश्चित हो रही है। इस भव्य धार्मिक आयोजन के लिए करोड़ो तीर्थयात्रियों का प्रयागराज में आवाजाहि है, और ट्रेन सेवाओं का निर्बाध संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है। पूर्व मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे से 100: माल यातायात को सफलतापूर्वक ईडीएफसी की ओर मोड़ने से निकटवर्ती जोनल रेलवे को बहुत जरूरी राहत मिली है और संतृप्त मार्गों पर महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों का सुचारू संचालन संभव हो सका है। केवल डायवर्जन के कारण, 11 जनवरी 25 से 31 जनवरी 25 तक शुरू होने वाले स्नान दिवसों के दौरान ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) पर प्रतिदिन औसतन 155 मालगाड़ियाँ चल रही हैं।जिससे ईडीएफसी, उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के प्रयागराज डिवीजन में भीड़भाड़ कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। माल ढुलाई में यह रणनीतिक बदलाव न केवल भीड़भाड़ को कम कर रहा है, बल्कि महा–कुंभ मेला विशेष ट्रेनों के सुचारू संचालन को भी सक्षम बना रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि श्रद्धालु पवित्र जल में स्नान के लिए आसानी से यात्रा कर सकें। डीएफसीसीआईएल प्रदर्शनी शिविर, सेक्टर–25, अरैल, प्रयागराज डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार ने डीएफसीसीआईएल प्रदर्शनी शिविर का दौरा किया और आगंतुकों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए उनकी सराहना की। प्रदर्शनी शिविर ने सफलतापूर्वक आगंतुकों को डीएफसी की निर्माण यात्रा, इसके अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और माल ढुलाई संचालन को चलाने वाली प्रौद्योगिकियों की व्यापक समझ प्रदान की है। डीएफसीसीआईएल आधुनिक रेल लॉजिस्टिक्स में भारत की प्रगति को उजागर करने और परिवहन बुनियादी ढांचे में भविष्य के विकास को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रदर्शनी शिविर में प्रमुख पुलों, छोटे पुलों, इंजीनियरिंग चमत्कारों, डीएफसी के निर्माण में उपयोग की गई तकनीकी प्रगति, इंजनों के विभिन्न मॉडलों, वैगनों, संचालन नियंत्रण केंद्र के सचित्र बैनर रखे गए हैं। विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने प्रदर्शनी शिविर का दौरा किया है जिनमें निदेशक वित्त, निदेशक (परियोजना योजना), सेवानिवृत्त शामिल हैं। डीएफसीसीआईएल के निदेशक (संचालन और व्यवसाय विकास)। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शनी शिविर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें 750 से अधिक आगंतुक शिविर में शामिल हुए हैं। आगंतुकों ने डीएफसी के निर्माण चरण से संचालन चरण तक संक्रमण के दौरान हासिल की गई तकनीकी प्रगति, इंजीनियरिंग चमत्कार और बुनियादी ढांचे के मील के पत्थर की उच्च सराहना की है। प्रदर्शनी का महत्वरू सार्वजनिक जागरूकता – भारत की सबसे बड़ी माल ढुलाई गलियारा परियोजना के बारे में आगंतुकों को शिक्षित करना। तकनीकी शो–कैस– आधुनिक रेल रसद और स्वचालन का प्रदर्शन। हितधारक जुड़ाव – उद्योग साझेदारी और ज्ञान–साझाकरण को मजबूत करना। डीएफसीसीआईएल के प्रबंधा निदेशक प्रवीण कुमार ने प्रयागराज में ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया और महाकुंभ–2025 के दौरान निर्बाध और कुशल संचालन सुनिश्चित करने में उनकी उत्कृष्टता के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने ट्रेन परिचालन में रिकॉर्ड तोड़ने और नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए सभी अधिकारियों की सराहना की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने रखरखाव टीम के साथ भी बातचीत की।

स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए सर्व शक्तिमान परमपिता परमात्मा से संबंध जरूरी।

महाकुंभ नगर। आत्मा और परमात्मा के ज्ञान के अध्ययन से मनुष्य के जीवन में सच्ची सुख–शांति का अनुभव होता है, प्रयागराज त्रिवेणी के संगम पर सभी ने स्नान के साथ– साथ आध्यात्मिक ज्ञान का स्नान भी किया और आज के समय में आत्मा को ज्ञान स्नान करने की ही जरूरत है जिससे ही हमारे मन की मैल धुल सकेगीश्श उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी उषा दीदी के हैं। वह प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सेक्टर 7 स्थित स्वर्णिम भारत ज्ञान कुंभ मेले में आयोजित संत सम्मेलन में उपस्थित संत जनों के बीच अपनी बात रख रही थी। उन्होंने कहा कि सर्वशक्तिमान परमात्मा सर्वगुणों और शक्तियों का स्रोत हैं। जब हम राजयोग का अभ्यास करते हैं तो अपने मन और बुद्धि को परमात्मा से जोड़ते हैं जिससे परमात्मा के उन गुणों का स्वयं में अनुभव करते हैं और धीरे–धीरे हम गुणों और शक्तियों का प्रत्यक्ष स्वरूप बन जाते हैं। स्वर्णिम भारत के निर्माण में आध्यात्मिकता का योगदान विषय पर आयोजित इस संत सम्मेलन में अयोध्या से आए 'जगद्गुरु ओंकारानंद सरस्वती' जी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था दुनिया में सुख–शांति की स्थापना के लिए समर्पित है, ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी विश्व की और सारे समाज की अनमोल धरोहर हैं। आज के इस कलह क्लेश के समय सबके जीवन में शांति स्थापित करने का संकल्प इन ब्रह्माकुमारी बहनों ने लिया हुआ है, ऐसे धवल वस्त्र धारी ब्रह्माकुमारी बहनों को मैं दिल से नमन करता हूं। वहीं 'आचार्य बृजेशानंद जी महाराज' ने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आध्यात्मिकता के क्षेत्र में किए गए कार्यों को जमकर सराहा..उन्होंने कहा की अगर भारत में राम राज्य लाना चाहते हैं तो आध्यात्मिकता का मार्ग जीवन में अपनाना होगा। 'श्री गिरधारी जी महाराज' – महंत दिव्य शक्ति अखाड़ा ने कहा कि उन्हें बहनों को सुनना बहुत अच्छा लगता है एवं इनके निमंत्रण पर पहुंचना हमारा सौभाग्य होता है। सारे विश्व में ब्रह्माकुमारी बहनों की सेवा फैली है और हमारा संत समाज भी इतना फैला हुआ है लेकिन इन बहनों ने विश्व स्तर पर सनातन धर्म का जो प्रचार प्रसार किया है, उतना कोई नहीं कर सका है। इसलिए इन ब्रह्मा कुमारी बहनों का स्वागत हम जितना करें उतना कम है इन्होंने सनातन धर्म का जागरण बहुत किया है। इस मौके पर कटनी मध्यप्रदेश से पधारे त्यागी जी महाराज ने कहा आप में दुनिया को बदलने का सामर्थ्य है यदि आप यहां आए हैं तो निश्चित रूप से आपकी ऊर्जा अद्भुत है.. 'महंत प्रेमानंद महाराज (अद्वैत स्वामी जी)' ने अपने विचार रखते हुए कहा कि परमात्मा शिव ने प्रजापिता ब्रह्मा के द्वारा जो एकात्मवाद का पाठ पढ़ाया, वह सारे धर्मों का मूल है और यही सनातन धर्म का बीज भी है। सर्व मांगल्य सनातन धर्म संस्थान के संस्थापक 'आचार्य योगी मनीष' ने भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मेले की संयोजिका और ब्रह्माकुमारीज के प्रयागराज जोन की संचालिका राजयोगिनी बीके 'मनोरमा दीदी' ने सभी संतो का स्वागत किया और कहां की प्रयाग की भूमि पुण्य सलिला मां गंगा का तट अनंत काल से त्याग तपस्या की भूमि रहा है। ऐसे समय पर 144 साल के बाद यह सुखद महाकुंभ निश्चित तौर पर भारत में सनातन धर्म के पुनरोत्थान का एक महत्वपूर्ण कारक बनेगा। लखनऊ से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राधा दीदी ब्रह्माकुमारी संस्थान का परिचय सभी उपस्थित महानुभावों को दिया। लंदन से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी गोपी दीदी ने राजयोग मेडिटेशन की कमेंट्री द्वारा सभी को शांति की अनुभूति कराई और गुजरात के वल्लभ विद्यानगर से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी जागृति दीदी ने सफलतापूर्वक मंच का संचालन किया। अंत में सभी संतो को ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा शॉल ओढ़ाकर व ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी संतों ने मेले में लगी प्रेरणादाई मनोरम झांकी का अवलोकन किया और स्वर्णिम दुनिया को दर्शाती प्रदर्शनी एवं चौतन्य देवियों की झांकी का अवलोकन कर खुले ह्रदय से प्रशंसा की। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन सभी महान संतों के द्वारा दीप प्रज्वलन और दिल्ली से आए 'ब्रह्माकुमार चाँद बजाज' द्वारा परमात्मा शिव के मधुर गीतों से की गई ।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा कामपीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062